कमज़ोर क्यों रहते हो ?

आठ दिन मे आप पुनः जवान बन सकते हैं। धनवन्त्री टेबलेटस के सेवन से समाप्त हुई शक्ति पुनः वापिस मिल सकती है। यह टानिक कमज़ोर पुरुषों के लिए ताकत बढ़ाने वाला अनोखा अविष्कार है। शरीर मे नए खून का संचार कर वीर्य को अधिक मात्रा मे पैदा करती है। वजन को बढ़ा कर चेहरे पर रौनक और सुर्खी लाती है। प्रमेह, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन, कमज़ोरी, सुस्ती, कमर दर्द व नज़र की कमज़ोरी को दूर करती है। एवं नज़ला, जुकाम, दिमागी कमज़ोरी के लिए बहुत ही लाभकारी अविष्कार है। मूल्य एक शीशी तीन रुपया। तीन शीशियां पूरा कोर्स सात रुपया पचास पैसे डाक खर्च एक रुपया पचपन पैसे पृथक। **धनवन्त्री लेप :-** युवावस्था की कुरीतियो या हस्तमैथुन आदि से शरीर का गुप्त अंग (इन्द्री) टेढ़ी, पतली, छोटी हो गई हो अथवा साथी के पास जाने मे लज्जा आती हो तो धनवन्त्री लेप की मालिश करते ही बिजली जैसी ताकत और फौलाद जैसी शक्ति पैदा होगी। इसका एक कतरा मुरदा गोश्त पर डालिये फौरन ही हरकत करने लगेगा। क़ीमत एक शीशी पूरा कोर्स पांच रुपया डाक खर्च एक रुपया पचपन पैसे पृथक। धनवन्त्री लेप और धनवन्त्री गोलियां इकठा मंगवाने पर भी डाक खर्च एक रुपया पचपन पैसा ही लगेगा।

मंगवाने का पता

समस्त भारत मे एक मात्र वितरक

मोंगा फार्मेसी । 50, माई सेवां, अमृतसर

MONGA PHARMACY, 150, MAI SEWAN, AMRITSAR.

दिल एक मंदीर

श्री धरम १

— चित्रालिया प्रोडक्शन —

डायरेक्टर-श्रीधर ❀ म्यूझिक-शंकर जयकिशन

कलाकार-मीना कुमारी, राजेन्द्र कुमार, राज कुमार, शोभा खोटे, मेहमूद, अचला सचदेव, मनमोहन कृष्ण

गाने - हसरत और शैलेन्द्र

दिल एक मंदिर के गाने

१— यहां कोई नहीं तेरा मेरे सिवा
कहती है झूमती गाती हवा
तुम सबको छोडकर आजाओ आजाओ
तेरे मन की उलझने सुलझाना चाहता हूं
मन के सुनहरे मंदिर में बिठाना चाहता हूं यहां कोई नहीं
बादल भी बनके पानी एक दिन तो बरसता है
लोहा जलके आग में एक दिन तो पिघलता है
जिस दिलमें हो मोहब्बत एक दिन तो तडपाता है यहां कोई नहीं

२— याद न जाय बीते दिनों की
जाके न आय बीते दिनों की
दिन जो पखेरू होते पिंजरे में मैं रख लेता
पालता इनको जतन से मोती के दाने देता
सीने से रहता लगाए याद न जाए
तस्वीर उनकी छुपाके रखदूं जहां जी चाहे

मनमें बसी है ये सूरत लेकिन मिटाइ न मिटे
कहने को हैं ये पराए याद न जाए

३— जूही की कली मेरी लाडली
ओ आरी किरन जुग २ तू जिए नन्हीसी परी मैं
लाडली ओ मेरी लाजली
धरती पर उतर आया चन्दा तेरा चेहरा बना
चम्पे का सलोना गुलदस्ता तन तेरा बना
कोमल तितली मेरी लाडली हीरे की कनी
मेरी लाड़ली ओ आश किरन
शरमाए दिवाली तारों की तेरे नैनों से
कोयल ने चुराई है पैहम तेरे नैनों से
गुडिया सी ढली मेरी लाडली मोहे लागे
भली मेरी लाडली मोहे लागे
हर बोल तेरे हमें सिखलाए दुख से लडना
मुस्कान तेरी कहती है सदा धीरज धरना
गंगा की लहरें मेरी लाडली चंचल सागर मेरी लाडली

४— पालन हारे राम है राखन हारे रामा
करदे अपने आपको अरपण उनके नाम
वही भले हो भ्योरी दया सिंधु है राम
दिन बंधु बेदिन के निरबल के बलराम

जो चाहे सो मांग ले दोनों बाहें पसार
देता कब प्रभू नहीं भैया दाता के भंडार

५— हम तेरे प्यारमें सारा आलम खो बैठे हैं २
तुम कहते हो कि एसे प्यार को भुल जाओ २
पंछी से छुडाकर उसका घर तुम अपने घर पर आए
ये प्यार का पिंजरा मन भयाजी भरभर कर हम मुस्काए
जब प्यार हुआ इस पिंजरे से
तुम कहने लगे आजाद हो
तुम अपनी जुबां से ये न कहो
अब तुमसा जहां में कोई नहीं
हम तो तुम्हारे हो बैठे
तुम कहते हो एसे प्यार को
भूल जाओ भूल जाओ
इस तेरे चरन की धुल से हमने
अपनी जीवन मांग भरी
तब ही तो सुहागन कहलाई
दुनियां की नजर में प्यार बनी
तुम प्यार की सूरत हो और प्यार हमारी पूजा
अब इन चरणों में दम निकले बस इतनी और तमन्ना है
हम प्यार की गंगा जलसे बलमजी
तन मन अपना धो बैठे हैं

हम प्यार की गंगा जलसे बलमजी
तन मन अपना धो बैठे हैं
तुम कहते हो एसे प्यार को भुल
सपनों का दरपन देखा था
सपनों का दरपन तोड दिया
ये प्यार का आंचल हमने तो
दामन से तुम्हारे बांध दिया
ये एसी गांठ है उल्फत की
जिस को न कोई भी भुला सका
तुम आन बसे जब इस दिल में
दिल फिर तो कहीं न डोल सका
ओ प्यार के सागर हम तेरी
लहरों में नांव डुबो बैठे
तुम कहते हो एसे प्यार को

६— रुक जा रात ठहर जारे चंदा बीते न मिलन की बेंला
आज चांदनी की नगरी में अरमानोंका मेला, रुकजा रात
पहले मिलन की यादें लेकर आई है ये रात सुहानी
दोहराने हैं चांद सितारे मेरी तुम्हारी प्रेम कहानी २, रुकजा रात
कल का डरना कल की चिंता दो तन हैं मन एकहमारे
जीवन सीमा के आगे भी आऊंगी मैं संग तुम्हारे २, रुकजा

७— जाने वाले कभी नहीं आते
जाने वाले की यात आती है
सुमन-दिल एक मंदिर है, दिल एक मंदिर है
दोनों-दिल एक मंदिर है, दिल एक..
प्यार की जिसमें होती है पूजा प्रीतम का घर है
दिल एक मंदिर है, दिल एक..
हर धडकन है आरती बंधन, आंख जो मिची होगए दरशन
रफी-हर धडकन है आरती बंधन
दोनों-मौत मिटादे चाहे हस्ती याद तो अमर है
दिल एक मंदिर है, दिल एक..
प्यार की जिसमें होती है पूजा
सुमन-हम यादों के फूल चढाएँ और आंसू के दिये जलाएँ
रफी-हम यादोंके फूल चढ़ाएँ
दोनों-सांसों का हर तार पुकारे ये प्रेम नगर है
दिल एक मंदिर है, दिल एक
प्यार की जिसमें होती है पूजा ये प्रीतम का घर है

इस किस्म की नई और पुरानी फिल्मी गाने की पुस्तकें
मिलने का एकही स्थान. पत्ता याद रखें
भारत प्रकाशन बुकसेलर्स अॅन्ड पब्लिशर्स
एस. एच. गोंडावाला बाप्टी रोड-दो टांकी-बम्बई. ८

हमारे कुछ नये प्रकाशन

गति विज्ञान मूल्य ४)
असली प्राचीन इन्द्रजाल ५)
हस्त सामुद्रिक मूल्य ४)
मुकलावा बहार मूल्य ५)
हायर सैकन्ड्री पास मूल्य ६)
अकबर बीरबल मूल्य २)५०
हिन्दी अंग्रेज़ी मास्टर मूल्य ३)
कोक शास्त्र काश्मीरी मूल्य ६)
फिल्म स्टार एलबम मूल्य २)५०
सुहाग रात मूल्य ४)
दर्जी मास्टर मूल्य ३)
काम शास्त्र मूल्य ४)
नंगी तस्वीरें मूल्य २)
प्रेम पत्र मूल्य २)५०
सावरी तंत्र मूल्य ३)२५
सचित्र मोटर ड्राईवरी मूल्य ४)
बृहद बूटी प्रचार मूल्य ४)
फिल्मी अप्सरायें मूल्य [illegible]

एक साथ २५रु० की पुस्तकें मंगाने पर ६रु० में
हायर सैकन्ड्री पास पुस्तक मुफ्त भेजी जायेगी।
२५)रु. का आर्डर देने पर ५)रु. पेशगी भेजने आवश्यक हैं
वी० पी० द्वारा मंगाने का पता
जनता प्रकाशन
हु कूंचा चेलान, खारी बावली, देहली-६